आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 26 | अंक - 136 | उज्जैन, मंगलवार 09 अप्रैल 2024 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मतदान समाप्ति से 48 घंटे पहले तक टेलीविजन या अन्य संचार माध्यमों से किसी भी चुनावी मामले का प्रदर्शन प्रतिबंधित रहेगा

भोपाल। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन-2024 के लिये मीडिया कव्हरेज के परिप्रेक्ष्य में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। आयोग ने कहा है कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126(1)(बी) के अनुसार टेलीविजन, सिनेमैटोग्राफ या इसी तरह के अन्य संचार माध्यमों से किसी भी चुनावी मामले (विज्ञापन या प्रचार आदि) का प्रदर्शन करने पर प्रतिबंध रहेगा। यह प्रतिबंध किसी भी मतदान क्षेत्र में मतदान समाप्ति के 48 घंटे पहले तक की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा। आयोग ने स्पष्ट किया है कि कोई भी व्यक्ति सिनेमैटोग्राफ, टेलीविजन या अन्य समान

उपकरण के माध्यम से किसी भी चुनावी मामले को जनता के समक्ष प्रदर्शित नहीं करेगा। इन प्रावधानों का उल्लंघन करने पर दोषी व्यक्ति को दो साल तक की कैद या जुर्माना या दोनों से दंडित किया जा सकता है। आयोग के अनुसार चुनाव के परिणाम को प्रभावित करने या ऐसे इरादे या गणना करने जैसा कोई भी प्रयास चुनावी मामला माना जायेगा।

टीवी चैनलों में पैनल चर्चा/बहस और अन्य समाचार और समसामयिक कार्यक्रमों के प्रसारण में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 के प्रावधानों के उल्लंघन के आरोप लगते हैं। इस संबंध में आयोग ने स्पष्ट किया है कि टीवी/रेडियो चैनलों और केबल नेटवर्क को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि धारा 126 में उल्लेखित 48 घंटों की अवधि के दौरान उनके द्वारा प्रसारित/प्रदर्शित कार्यक्रमों के कंटेन्ट में दृश्य सहित ऐसी कोई भी सामग्री शामिल नहीं है। पैनलिस्टों/प्रतिभागियों द्वारा अपील करने पर उन्हें किसी पार्टी विशेष या उम्मीदवार की संभावना को बढ़ावा देने या चुनाव के परिणाम को प्रभावित करने के रूप में माना जा सकता है। इसमें जनमत सर्वेक्षण और मानक बहस, विश्लेषण, दृश्य और ध्वनि-बाइट्स का प्रदर्शन शामिल होगा। इसमें टीवी, केबल नेटवर्क, रेडियो, सिनेमा हॉल में किसी भी चुनावी मामले पर राजनीतिक विज्ञापन, किसी भी मतदान में थोक एसएमएस/वॉयस संदेशों, ऑडियो विजुअल डिस्प्ले का उपयोग आदि भी शामिल है।

आयोग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर राजनीतिक विज्ञापनों के लिये आयोग के पूर्व आदेशानुसार राज्य/जिला स्तर पर गठित समितियों द्वारा पूर्व-प्रमाणन की आवश्यकता होगी।

बाज नहीं आ रहा मालदीव, पहले भारत के खिलाफ उगला जहर; अब तिरंगे का किया अपमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मालदीव ने एक बार फिर भारत के खिलाफ जहर उगला है। पहले पीएम मोदी और भारत के खिलाफ विवादित टिप्पणी करने वाली निलंबित नेता मरियम शिउना ने अब तिरंगे का अपमान किया है। मरियम ने भारतीय झंडे के खिलाफ एक विवादित पोस्ट किया है।

तिरंगे का किया अपमान- दरअसल, मरियम शिउना ने विपक्षी दल मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) को निशाना बनाते हुए एक पोस्ट साझा किया था। उस पोस्ट में एमडीपी के लोगो की जगह भारतीय तिरंगे में लगे अशोक चक्र को लगाया गया था। हालांकि, मालदीव की इस नेता ने अब पोस्ट को डिलीट कर दिया है।

अब मांगी माफी- पोस्ट को हटाने के बाद शिउना ने भारत से माफी मांगी है। शिउना ने एक अन्य पोस्ट में कहा, मैं अपनी हालिया पोस्ट के कारण हुए किसी भी भ्रम या अपराध के लिए माफी मांगती हूं। यह मेरे ध्यान में लाया गया कि मेरे द्वारा उपयोग की गई छवि भारतीय ध्वज से मिलती जुलती है। मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि यह पूरी तरह से अनजाने में हुआ था। भविष्य में, मैं अपने द्वारा साझा की जाने वाली सामग्री को सत्यापित करने में अधिक सतर्क रहूंगी, ताकि फिर ये गलती न हो।

युवाओं को मतदान के लिए प्रेरित कर रहा निर्वाचन आयोग, इंटरनेट मीडिया पर शुरू किए कई अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। निर्वाचन आयोग ने युवा और शहरी मतदाताओं को लोकसभा चुनाव में मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए इंटरनेट मीडिया के विभिन्न मंचों पर अभियान शुरू किया है। आयोग ने लोगों से किया खास आग्रह

आयोग ने लोगों से आग्रह किया है कि वे इंटरनेट मीडिया पर चुनाव से संबंधित जो भी सूचना प्राप्त करते हैं, उसे पहले सत्यापित करें और फिर उसे साझा करें। लोकसभा चुनाव के तहत पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को होगा, जबकि एक जून को अंतिम चरण का मतदान होगा। आम चुनाव सात चरणों में हो रहा है।

आयोग चला रहा है कई अभियान- चुनाव आयोग के अनुसार, वह टर्निंग 18 अभियान के माध्यम से युवा और पहली बार वोट देने वाले मतदाताओं को प्रेरित कर रहा है। उनसे मतदान के लिए मतदान केंद्र पर आने का आग्रह कर रहा है। इसके अलावा %यू आर द वन% अभियान के तहत आयोग विभिन्न हितधारकों का पता लगाने का प्रयास कर रहा है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी मतदाता मतदान करने से वंचित न रह जाए।

तो चुनाव से पहले कई लोग जेल में होंगे..., सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर को जमानत देते हुए कही बड़ी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने आज तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोपी एक यूट्यूबर की जमानत बहाल कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाईकोर्ट के आदेश को पलट दिया, जिसे चुनौती दी गई थी।

पीठ ने कही ये बात- न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने यूट्यूबर ए. दुरईमुरुगन सत्ताई की जमानत रद्द करने के हाईकोर्ट के आदेश को रद्द करते हुए कहा कि यह नहीं कहा जा सकता, क्योंकि ऐसा नहीं कहा जा सकता कि उन्होंने स्वतंत्रता का दुरुपयोग किया है।

तो कई लोग जेल में होंगे- विशेष रूप से न्यायमूर्ति ओका जे ने सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी (राज्य सरकार की ओर से पेश) से कहा कि अगर चुनाव से पहले, हम यूट्यूब पर आरोप लगाने वाले सभी लोगों को जेल में डालना शुरू करेंगे, तो आप कल्पना कर सकते हैं कि कितने लोगों को जेल होगी।

यूट्यूबर पर एक शर्त लगाने की बात भी नकारी- लाइव लॉ में दी गई रिपोर्ट के अनुसार, जब न्यायमूर्ति से यह अनुरोध किया गया कि अदालत यूट्यूबर पर एक शर्त लगाए कि वो जमानत के बाद कोई निंदनीय टिप्पणी न करे, तो पीठ ने इसपर असहमति जताई। पीठ ने कहा कि ये कौन तय करेगा कि कोई बयान निंदनीय है या नहीं। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट मद्रास हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सत्ताई की चुनौती पर सुनवाई कर रही थी, जिसने यह कहते हुए उनकी जमानत रद्द कर दी कि अदालत के समक्ष हलफनामा देने के कुछ दिनों के भीतर सत्ताई ने फिर तमिलनाडु के सीएम के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां की।

बच्चों के इंटरसेक्स ऑपरेशन पर लगेगी रोक? सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को राजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जन्म के समय शिशुओं के इंटरसेक्स सर्जरी का मुद्दा सुप्रीम कोर्ट के समक्ष आया है। इस तरह के ऑपरेशन पर रोक लगाने की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के तैयार हो गया है। देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। याचिका में कहा गया है कि बच्चों की इंटरसेक्स सर्जरी उनके लिए न सिर्फ पीड़ादायक बल्कि सुनहरे भविष्य के लिए भी काफी खतरनाक है।

सबसे पहले जानकारी के लिए बता दें कि जिन लोगों में पुरूष और महिला दोनों के जननांग होते हैं उन्हें इंटरसेक्स कहा जाता है। देश में इंटरसेक्स सर्जरी के कई मामले सामने आ रहे हैं। मां-बाप अपने बच्चों को पुरुष या महिला बनाने के लिए इस तरह की सर्जरी करवा रहे हैं।

इस तरह के ऑपरेशनों पर रोक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर हुई है। याचिकाकर्ता ने कहा है कि तमिलनाडु एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां इस तरह की सर्जरी पर रोक लगी है। याचिका में कहा गया है कि बच्चों को पुरुष या महिला बनाने के लिए उनकी सहमति के बिना जन्म के समय इंटरसेक्स सर्जरी की जा रही है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने कहा कि इस तरह के चिकित्सीय हस्तक्षेप दंडनीय अपराध हैं और इन्हें रोकने के लिए एक कानून होना चाहिए।

मामले की गंभीरता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट जन्म के समय इंटरसेक्स सर्जरी के मुद्दे पर न्यायिक हस्तक्षेप की याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया है।

5 करोड़ कैश और 106 किलोग्राम ज्वेलरी; चुनाव के बीच कर्नाटक में रेड

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर तेज होती राजनीतिक सरगर्मियों के बीच तमाम दल चुनावी मुद्दों के साथ जनता के बीच जा रहे हैं। पार्टियां शक्ति प्रदर्शन कर रही हैं। वहीं, चुनाव आयोग और पुलिस की टीम आचार संहिता के तहत देश भर में नजर रखे हुए हैं। कर्नाटक में पुलिस को छापेमारी के दौरान बेहिसाब दौलत मिली है। पुलिस ने यहां से 5 करोड़ कैश और 106 किलोग्राम ज्वेलरी की बरामदगी की। चुनाव के बीच कर्नाटक में बड़ी छापेमारी करते हुए पुलिस ने एक ज्वेलरी शॉप के मालिक के घर से 5.60 करोड़ रुपये कैश, 3 किलो सोना, 103 किलो चांदी के आभूषण और 68 चांदी की छड़ें जब्त कीं। यह छापेमारी कर्नाटक के बेल्लारी शहर में की गई है। पुलिस द्वारा की गई कुल वसूली करीब 7.60 करोड़ रुपये की है।

पुलिस के हाथ लगी बड़ी कामयाबी, 3 लाख का इनामी नागमणि महतो दिल्ली से दबोचा; 26 संगीन मामले हैं दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेगूसराय पुलिस ने पटना एसटीएफ के सहयोग से चेरिया बरियारपुर थाना क्षेत्र के कुंभी निवासी तीन लाख के इनामी कुख्यात नागमणि महतो को दिल्ली के हरिनगर से गिरफ्तार किया है। 2009 से 2024 तक कुंभी निवासी स्व. जयप्रकाश महतो के पुत्र नागमणि महतो उर्फ नागो हत्या, लूट, रंगदारी, गोलीबारी जैसे 26 संगीन मामलों को आरोपित रहा है। बीते दिसंबर रखा गया था तीन लाख का इनाम

बीते दिसंबर में निवर्तमान एसपी योगेंद्र कुमार की अनुशंसा पर पुलिस मुख्यालय ने इसकी गिरफ्तार पर तीन लाख का इनाम घोषित किया था। उक्त जानकारी एसपी मनीष ने सोमवार को अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान दी है।

एसपी मनीष ने बताया कि इसकी गिरफ्तार व गिरोह के खात्मे से चेरिया बरियारपुर समेत आसपास अपराध पर नियंत्रण किया जा सकेगा।

छह फरवरी से पुलिस कर रही थी तलाश- बीते छह फरवरी को खोदावंदपुर थाना क्षेत्र में बरियारपुर पश्चिमी टोला निवासी नागेश्वर महतो के पुत्र प्रिंस कुमार उर्फ प्रह्लाद की गोली मार हत्या, 10 फरवरी को चेरिया बरियारपुर के बसही निवासी चिमनी मालिक जय जय राम सहनी व सकरवासा निवासी मो. अली अहमद से रंगदारी की मांग व 25 फरवरी को चिमनी मालिक जयजय राम सहनी के वाहन पर गोलीबारी मामले में पुलिस को सरगर्मी से इसकी तलाश थी।

पुलिस टीम लगातार कर रही थी तलाश- मंझौल डीएसपी नवीन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम लगातार इसके संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही थी। इसके कई सहयोगियों को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है वहीं गिरोह के हथियार का जखीरा भी बरामद किया जा चुका है। पुलिस गिरफ्त से बचने के लिए वह दिल्ली के हरिनगर थाना क्षेत्र में छिपकर रह रहा था।

पुलिस टीम की जाएगी पुरस्कृत- दिल्ली में छिपे होने की गुप्त सूचना के आधार पर पटना एसटीएफ व बेगूसराय पुलिस टीम ने संयुक्त कार्रवाई कर कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार किया है।

एसपी ने छापेमारी में शामिल पुलिस टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की है। इसके विरुद्ध खोदांवदपुर, चेरियाबरियारपुर, नगर, नावकोठी, औरंगाबाद जिला के दाउदनगर थाना में 26 संगीन मामले अंकित है।

ईद पर मिठास में बदलेगी जंग! सैनिकों को बुलाने के बाद इजरायल का एक और फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्या ईद से पहले पश्चिम एशिया यानी अरब देशों में चल रही जंग रिश्तों की मिठास में तब्दील होगी? इजरायल की ओर से गाजा पट्टी से सैनिकों को वापस बुलाए जाने के बाद यह सवाल उठ रहा है। अक्टूबर से जारी जंग को 6 महीने बीत चुके हैं और रविवार को इजरायल ने अचानक ही दक्षिणी गाजा से सैनिकों को वापस बुला लिया। इजरायल के डिफेंस मिनिस्टर योआव गैलंट ने इसकी जानकारी दी थी और कहा था कि हमास राफा में हमला कर सकता है। ऐसे में उसकी तैयारी और भविष्य की तैयारियों के लिहाज से यह फैसला लिया गया है।

इजरायल का कहना है कि उसने दक्षिणी गाजा में अब बस एक ही ब्रिगेड को छोड़ा है। इस बीच एक उम्मीद की किरण भी जगी है क्योंकि इजरायल और हमास दोनों ने ही अपने एक प्रतिनिधिमंडल को मिस्र भेजा है ताकि नए दौर की वार्ता हो सके। इसी वजह से कहा जा रहा है कि ईद के मौके पर पश्चिम एशिया में मिठास घुल सकती है। इजरायल पर हमास ने 7 अक्टूबर को भीषण हमला कर दिया था, जिसमें 1200 लोग मारे गए थे। इसके अलावा करीब 250 लोगों को अगवा कर लिया गया था। इसके बाद से ही इजरायल की ओर से लगातार फिलिस्तीन के गाजा और पश्चिमी बैंक के भी एक हिस्से पर हमले किए जा रहे थे।

बेंजामिन नेतन्याहू सरकार की ओर से सैनिकों की वापसी के बाद अब खान यूनिस शहर में फिलिस्तीनियों की वापसी शुरू हो गई है। अब तक शेल्टर होम में ठहरे लाखों लोग अस्थायी आशियानों के लिए लौटने लगे हैं।

सिर्फ मौत की गंध; लाशों के ढेर छोड़ गई इजरायली सेना, घर लौट रहे फिलिस्तीनियों की दास्तां

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच भीषण जंग के बीच आईडीएफ ने अपने कदम पीछे हटा दिए हैं। पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के आदेश पर इजरायली सेना गाजा और राफा से लौट आई है। 6 महीने से जारी युद्ध के बीच यह पहली बार है जब इजरायली सेना घर लौटी है। इजरायल पर मंडरा रहे हमले की आशंकाओं के बीच फिलिस्तीनी जो आईडीएफ के कत्लेआम के बाद भाग गए थे, घर लौट रहे हैं। वापस आकर फिलिस्तीनियों को सिर्फ लाशों के ढेर दिख रहे हैं। फिलिस्तीनियों ने

अपनी दास्तां में बताया कि जो शहर कभी 4 लाख लोगों का आशियाना हुआ करता था, इजरायली सेना ने उसे महीनों की बमबारी में मरघट बना दिया है।

इजराइली सैनिकों के दक्षिण गाजा शहर से पीछे हटने के बाद रविवार को खान यूनिस के तबाह शहर में फिलिस्तीनियों की वापसी हुई। घर लौटे फिलिस्तीनियों में चार बच्चों की मां थायर ने कहा कि यहां कुछ भी नहीं बचा है।

हर ओ से सिर्फ मौत की गंध आ रही है। 38 वर्षीय महिला ने एएफपी को बताया, अब हमारे पास कोई शहर नहीं है, यह केवल मलबे का ढेर है। जहां कुछ भी नहीं बचा है। सड़कों से गुजरते हुए मैं खुद को रोने से नहीं रोक सकी।

थायर का घर भी अन्य फिलिस्तीनियों की तरह नष्ट हो चुका है। उन्होंने कहा कि सभी सड़कों पर बुलडोजर चलाया है। मैंने लोगों को खुदाई करते और शवों को बाहर निकालते हुए देखा।

गौरतलब है कि पिछले साल 7 अक्टूबर से पहले खान यूनिस और उसके आसपास लगभग 400,000 लोग रहते थे।

इमरान खान अप्रैल में जेल से हो जाएंगे रिहा, पीटीआई नेता लतीफ खोसा ने जताई उम्मीद

पाकिस्तान। तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता सरदार लतीफ खोसा ने दावा किया है कि पार्टी के संस्थापक इमरान खान अप्रैल में जेल से रिहा हो जाएंगे। एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट ने इसकी जानकारी दी। खोसा ने रविवार को एआरवाई न्यूज पर एक शो के दौरान कहा, तोशाखाना मामले में पूर्व प्रधानमंत्री की सजा को अदालत ने निलंबित कर दिया है, जबकि सिफर मामला एक सप्ताह भी नहीं टिकेगा। खोसा ने कहा, 9 मई के दंगों से संबंधित किसी भी मामले में पीटीआई संस्थापक की संलिप्तता साबित नहीं हुई थी।

ताइवान पर चीन की बुरी नजर, समुद्र सीमा के पास फिर मंडराए चीनी नौसैनिक जहाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने कहा कि उसने रविवार सुबह 6 बजे से सोमवार सुबह 6 बजे के बीच ताइवान के आसपास चार चीनी नौसैनिक जहाजों को ट्रैक किया।

ताइवान रक्षा मंत्रालय के अनुसार, ताइवान के सशस्त्र बल स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और चीन की गतिविधियों के जवाब में नौसैनिक जहाजों और तटीय प्रणालियों को तैनात किया है।

इस महीने कई बार ट्रैक किए गए चीनी विमान व नौसैनिक जहाज

उस दौरान पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के किसी भी विमान ने ताइवान स्ट्रेट मध्य रेखा को पार नहीं किया अथवा देश के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश नहीं किया। इससे पहले, ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने 6 अप्रैल को सुबह 6 बजे (स्थानीय समय) से 7 अप्रैल को सुबह 6 बजे (स्थानीय समय) तक देश भर में चल रहे छह चीनी नौसैनिक जहाजों को ट्रैक किया था।

6 अप्रैल को, ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने शुक्रवार सुबह 6 बजे (स्थानीय समय) और शनिवार सुबह 6 बजे (स्थानीय समय) के बीच ताइवान के आसपास सात चीनी नौसैनिक जहाजों और एक विमान को देखा।

ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) के अनुसार, चीनी विमान ताइवान के पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश कर गया।

संविधान के साथ किया विश्वासघात, एलन मस्क ने की ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के जज को हटाने की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया एक्स के मालिक एलन मस्क ने रविवार को ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के पद से हटाने की मांग की। एलोन मस्क ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश पर गलत सूचना फैलाने के संदेह में खातों को ब्लॉक करने के लिए सेंसरशिप का आरोप लगाया था। टेस्ला और स्पेसएक्स के मालिक मस्क ने एलेक्जेंडर डी मोरेस के बारे में कहा कि इस जज ने बेशर्मी से और बार-बार ब्राजील के संविधान और लोगों को धोखा दिया है। उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए और उनपे महाभियोग चलाना चाहिए। शनिवार की शाम को एलोन मस्क ने न्यायाधीश के खिलाफ सोशल मीडिया एक्स पर एक के बाद एक कई पोस्ट कर उनपर हमला बोला।

एलन मस्क ने एक्स पर पोस्ट कर जज पर कई आरोप लगाए। एलन मस्क ने कहा कि न्यायाधीश ने बेशर्मी से और बार-बार ब्राजील के संविधान और लोगों को धोखा दिया है। उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। बता दें कि ब्राजील के जज ने एक्स के कुछ अकाउंट्स को ब्लॉक करने का आदेश दिया था जिसके बाद मस्क ने जज को चुनौती दी।

ब्राजील में एक्स तक लोगों की पहुंच बंद कर दी- वहीं एक दूसरे पोस्ट में मस्क ने कहा कि एक्स ब्राजील में कुछ अकाउंट्स पर CJ। अलेक्जेंडू डी मोरेस द्वारा तय की गई सभी पाबंदियों को हटा रहा है। न्यायाधीश ने बड़े पैमाने पर जुर्माना लगाया है, हमारे कर्मचारियों को गिरफ्तार करने की धमकी दी है और ब्राजील में एक्स तक लोगों की पहुंच बंद कर दी है। हम ब्राजील में सारा रेवेन्यू खो देंगे और हमें वहां अपना ऑफिस बंद करना पड़ेगा। लेकिन सिद्धांत लाभ से कहीं अधिक मायने रखते हैं।

टेकऑफ के दौरान हुआ बड़ा हादसा, हवा में अचानक टूटकर गिरने लगा विमान का इंजन कवर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के डेनवर में उस वक्त एक प्लेन हादसे का शिकार हो गया जब वह डेनवर से ह्यूस्टन जा रही थी। इस हादसे के पीछे का कारण हवा में अचानक इंजन कवर का टूटना बताया जा रहा है। यह हादसा साउथवेस्ट एयरलाइंस के बोइंग 737-800 में हुआ। इंजन का कवर जैसे ही हवा में गिरा वह विमान के विंग फ्लैप से टकरा गया।

अभी तक इस हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। ह्यूस्टन जा रहा यह विमान रविवार को डेनवर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से लौट आया। यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने बोइंग 737-800 का इंजन कवर गिरने और विंग फ्लैप से टकराने के मामले की जांच शुरू कर दी है।

एफएए ने बयान में कहा कि वह इस मामले की जांच करेगा। रिकॉर्ड किए गए एयर ट्रैफिक कंट्रोल ऑडियो में, पायलटों में से एक ने कहा कि कई यात्रियों और फ्लाइट अटेंडेंट ने विंग पर कुछ जोर से टकराने की आवाज सुनी थी।

रूसी दावे को यूक्रेन ने साफ नकारा, परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर ड्रोन हमले को लेकर UN की एजेंसी ने किया सब क्लियर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सालों से चल रहा रूस-यूक्रेन युद्ध अभी भी जारी है। जंग में हजारों मौतें और लाखों लोगों का विस्थापन हो चुका है। यूक्रेन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रूस के आरोपों से साफ इनकार किया है कि कीव ने यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर ड्रोन से हमला किया है। साथ ही कहा है कि इस ऊर्जा संयंत्र पर रूस की सेना जंग की शरुआत से ही कब्जा कर रही है।

यूक्रेन की सैन्य खुफिया एजेंसी के प्रवक्ता एंड्री युसोव ने कहा कि कोई हमला नहीं हुआ है, रूसी सेना नियमित रूप से जापोरीजिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमले की साजिश रचती है।

हमले की पुष्टि संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी ने की- हालांकि, इस हमले की पुष्टि खुद संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी ने की थी। एजेंसी ने इस हमले की जिम्मेदारी रूस और यूक्रेन में से किसी पर भी नहीं थोपी।

कई बार बंद हुआ जापोरीजिया परमाणु संयंत्र- फरवरी 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रामक हमला करने के कुछ ही समय बाद परमाणु संयंत्र कई बार बंद हुआ और इसपर बार-बार हमले होते रहे। वहीं, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी संभावित परमाणु आपदा की आशंकाओं के बीच कई बार इसको लेकर चिंता जता चुकी है।

जापोरीजिया संयंत्र के छह रिएक्टर महीनों से बंद- जापोरीजिया संयंत्र के छह रिएक्टर कई महीनों से बंद हैं, लेकिन इसके कुलिंग सिस्टम और अन्य सुरक्षा सुविधाओं को चलाने के लिए अभी भी बिजली और योग्य कर्मचारियों की जरूरत है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी ने रविवार को संयंत्र के छह रिएक्टरों में से एक पर ड्रोन हमलों की पुष्टि की है। एजेंसी ने कहा है कि इस हमले में एक शख्स की मौत हो गई।

लोकसभा चुनाव के दौरान रैली में..., खालिस्तानी आतंकी पन्नू ने पीएम मोदी और राजनाथ के खिलाफ उगला जहर

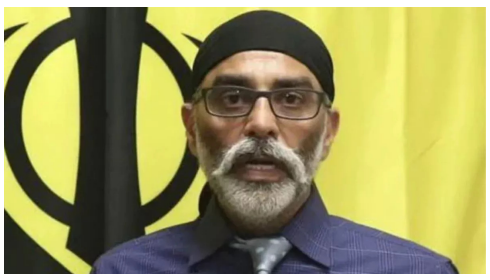

नई दिल्ली (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक बार फिर भारत के खिलाफ जहर उगला है। आतंकी ने एक वीडियो जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर को चुनौती दी है।

मोदी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने की बात- पन्नू ने मोदी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने की बात कहते हुए कहा कि उसका संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) तथाकथित खालिस्तान जनमत संग्रह के लिए अभियान जारी रखेगा। पन्नू ने 19 अप्रैल से शुरू होने वाले लोकसभा चुनावों में पीएम मोदी के खिलाफ एक साजिश रचने की भी बात कही।

पन्नू ने अपने समर्थकों से ये करने को कहा- आतंकी ने कहा कि वो अपने संगठन से अपील करेगा की वो भाजपा नेताओं की रैलियों में उन्हें शर्मिंदा करें और उनके खिलाफ प्रदर्शन करें। करीब 3 मिनट लंबे इस वीडियो में एक टीवी चैनल को दिए गए राजनाथ सिंह के हालिया साक्षात्कार के क्लिप दिखाई गई।

खाना खाकर भाभी के साथ टहल रहा था शख्स, ऑडी ने मारी टक्कर; कई टुकड़ों में मिला शव

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा के करनाल में भीषण सड़क हादसा हुआ है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तेज रफ्तार ऑडी कार ने एक व्यक्ति को टक्कर मार दी। शनिवार को हुई इस घटना की चपेट में आने से उस शख्स की मौत हो गई। कार की टक्कर इतनी जोरदार थी कि उसके शरीर के टुकड़े-टुकड़े हो गए। यह हादसा करनाल के जलमाना गांव के पास हुआ। बताया जा रहा है कि उस वक्त यह शख्स खाना खाने के बाद अपनी भाभी और भतीजी के साथ सड़क पर टहल रहा था। पुलिस की ओर से घटना को लेकर जांच जारी है।

वहीं, पंजाब के लुधियाना जिले के समराला शहर के पास 2 वाहनों की टक्कर के बाद उनमें से एक में आग लग गई। इस हादसे में एक सहायक पुलिस आयुक्त समेत 2 पुलिसकर्मियों की जल कर मौत हो गई जबकि जबकि तीसरा गंभीर रूप से झुलस गया। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना शुक्रवार रात दयालपुरा गांव के फ्लाईओवर पर हुई जब एसीपी संदीप सिंह, कांस्टेबल परमजोत सिंह और एक अन्य कांस्टेबल चंडीगढ़ से लुधियाना जा रहे थे। उन्होंने बताया कि टक्कर के बाद पुलिसकर्मियों की गाड़ी में आग लग गई। पुलिस ने कहा कि एसीपी और कांस्टेबल को अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

संकट के बीच विस्तारा ने उठाया बड़ा कदम, कम की 10 फीसदी उड़ानें

नई दिल्ली (एजेंसी)। विस्तारा एयरलाइंस ने घोषणा की है कि वह अपने परिचालन में 10 प्रतिशत या 25-30 उड़ान प्रतिदिन की कमी कर रही है। एयरलाइंस के प्रवक्ता ने कहा कि इससे रोस्टर (ड्यूटी चार्ट) में जरूरी लचीलापन और स्थिरता आने की उम्मीद है। कटौती के बाद परिचालन इस वर्ष फरवरी के स्तर पर पहुंच जाएगा। प्रवक्ता ने बताया कि ज्यादातर घरेलू उड़ानों को रद्द किया जा रहा है और प्रभावित यात्रियों को अन्य उड़ानों में समायोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में स्थिति में सुधार हुआ है और एयरलाइन को बाकी के महीने और उसके बाद भी परिचालन में स्थिरता की उम्मीद है।

क्यों आ रही समस्या- उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों एअर इंडिया के साथ विलय की प्रक्रिया में नए वेतन नियमों की घोषणा के बाद विस्तारा के कई पायलटों ने छुट्टी ले ली थी, जिससे एयरलाइन के परिचालन पर असर पड़ा है। हालांकि एयरलाइंस के सीईओ विनोद कन्नन का शनिवार को कहना था कि 98 प्रतिशत पायलटों ने नए वेतन अनुबंध पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।

एक साक्षात्कार में रविवार को उन्होंने कहा कि पायलटों के साथ विचार-विमर्श के बाद वर्तमान रोस्टरिंग सिस्टम की समीक्षा की जाएगी, साथ ही कहा कि पायलटों के इस्तीफों में कोई असामान्य वृद्धि नहीं हुई है।

सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक सरकार की याचिका पर की सुनवाई, कहा- केंद्र और राज्य सरकार के बीच न हो कोई मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सूखा राहत फंड जारी ना करने को लेकर केंद्र और कर्नाटक सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कर्नाटक सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के बीच कोई प्रतिस्पर्धा नहीं होनी चाहिए। इस मामले में कर्नाटक सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से दो हफ्ते में जवाब मांगा है। पीठ कर्नाटक सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें राज्य सरकार ने आरोप लगाया गया था कि केंद्र सरकार कुछ क्षेत्रों में सूखे की स्थिति से निपटने के लिए राज्य को वित्तीय सहायता नहीं दे रही है। कोर्ट ने मामले को दो सप्ताह के बाद सुनवाई के लिए पोस्ट किया गया है।

पीठ ने कही ये बात...

केंद्र की ओर से पेश हुए अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरामनी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ को बताया कि वे इस मामले में निर्देश मांगेंगे। पीठ ने कहा, हमने देखा है कि विभिन्न राज्य सरकारों को अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा है।

इतने रुपये की मांगी गई सहायता

वकील डीएल चिदानंद के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि खरीफ 2023 सीज़न के लिए संचयी रूप से, 48 लाख हेक्टेयर से अधिक में कृषि और बागवानी फसल के नुकसान की सूचना मिली है, जिसमें 35,162 करोड़ रुपये का अनुमानित नुकसान (खेती की लागत) है। वहीं, इसमें कहा गया है कि एनडीआरएफ के तहत भारत सरकार से मांगी गई सहायता 18,171.44 करोड़ रुपये है।

माओवादियों का खतरा है, हमें हेलिकॉप्टर दे दें; इस जिले के प्रशासन की एयरफोर्स से मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में गढ़चिरौली जिला प्रशासन ने 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव को लेकर भारतीय वायु सेना के 5 हेलिकॉप्टरों की मांग की है। माओवादियों के खतरे को देखते हुए यह अपील की गई है। मालूम हो कि आमतौर पर वायुसेना चुनाव से जुड़ी गतिविधियों के लिए 1 या 2 हेलिकॉप्टर मुहैया कराती रही है। अतिरिक्त हेलिकॉप्टर तैनात करने की मांग इसलिए की गई, क्योंकि रास्ते में मतदान दलों पर हमले की आशंका है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इंडियन एयरफोर्स गढ़चिरौली और अन्य हिस्सों में चुनाव प्रक्रिया के लिए रायपुर और नागपुर से 5 एम 17 वी5 हेलिकॉप्टर की व्यवस्था करेगा। गढ़चिरौली के कलेक्टर संजय डेन ने बताया कि 205 मतदान दलों को 3 जगहों गढ़चिरौली, अहेरी और वडसे से हेलिकॉप्टर से भेजा जाएगा।

वोटिंग से एक दिन पहले मतदान केंद्रों पर ईवीएम भेजने की सामान्य प्रथा रही है। हालांकि, इससे हटकर जिला प्रशासन 16 अप्रैल से उन्हें भेजना शुरू कर देगा। इसे देखते हुए अलग-अलग जगहों पर हेलीपैड का निर्माण किया गया है। साथ ही प्रत्येक लैंडिंग साइट के 1 किलोमीटर के दायरे में साफ-सफाई की गई है। वोटिंग हो जाने के बाद मतदान दलों को 20 और 21 अप्रैल को वापस लाया जाएगा। इस तरह वायुसेना 22 अप्रैल को गढ़चिरौली छोड़ने के लिए तैयार होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रत्येक मतदान दल में 4 सदस्य होंगे। साथ ही तीन तय जगहों से 57 स्थानों के लिए ईवीएम भेजी जाएगी। इस दौरान कुल 820 कर्मचारी हेलिकॉप्टरों का इस्तेमाल करेंगे। यह पहली बार होगा जब वायुसेना चुनावी प्रक्रिया के लिए 5 हेलिकॉप्टर उपलब्ध कराएगा।

इस बीच, गडचिरोली में सुरक्षा बलों पर कई हमलों में शामिल 2 महिला नक्सली और एक जन-मिलिशिया कमांडर को गिरफ्तार किया गया है। ये गिरफ्तारियां लोकसभा चुनाव से पहले हुई हैं।

सीजेआई चंद्रचूड़ का बड़ा बयान, जजों के इस रवैये पर जताई चिंता; बोले- ईमानदारी से कहूं तो...

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ अपने अहम फैसलों के लिए जाने जाते हैं। वे अब तक कई बड़े मामलों की सुनवाई कर चुके हैं। एक बार फिर से उन्होंने सोमवार को बड़ा बयान दिया है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने जजों द्वारा लंबे समय तक अदालती मामलों को रिजर्व रखे जाने पर चिंता जताई है। उन्होंने दो टूक कहा कि ईमानदारी से कहूं तो इतने समय के बाद मौखिक दलीलें मायने नहीं रखती हैं।

कोर्ट की सुनवाई और फैसलों पर रिपोर्ट करने वाली बार एंड बेंच के अनुसार, सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, चिंता का विषय यह है कि जज बिना फैसलों के 10 महीने से अधिक समय तक मामलों को रिजर्व रखते हैं। मैंने सभी हाई कोर्ट को लिखा है। लेटर के बाद मैंने देखा है कि कई जज केवल मामलों को रिजर्व कर रहे हैं और सूचीबद्ध कर रहे हैं। इसके अलावा, आंशिक सुनवाई भी कर रहे हैं। ईमानदारी से कहूं तो इतने लंबे समय के बाद मौखिक दलीलें मायने नहीं रखतीं और जज भूल जाते हैं।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने आदेश सुनाते हुए आगे कहा कि हमें उम्मीद है कि देश के ज्यादातर हाई कोर्ट्स में यह चलन नहीं है। हम मानते हैं कि किसी भी मामले की पर्याप्त अवधि तक सुनवाई होने के बाद उसे इस स्तर पर जारी करने से देरी, दुर्दशा और वादकारियों की कानूनी फीस बढ़ जाती है। सीजेआई के नेतृत्व वाली बेंच ने हाई कोर्ट से मामले का शीघ्र निपटारा करने और पहले संक्षिप्त सुनवाई के लिए कार्यवाही को फिर से सूचीबद्ध करने के लिए कहा है। हालांकि, बेंच ने यह भी कहा कि हम हाई कोर्ट के बोझ से अवगत हैं।

बता दें कि पिछले दिनों नागपुर हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के शताब्दी वर्ष समारोह को संबोधित करते हुए सीजेआई चंद्रचूड़ ने वकीलों के लिए अहम संदेश दिया था। सीजेआई ने वकीलों से किसी राजनैतिक दल के लिए नहीं, बल्कि संविधान के प्रति वफादार रहने के लिए कहा था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

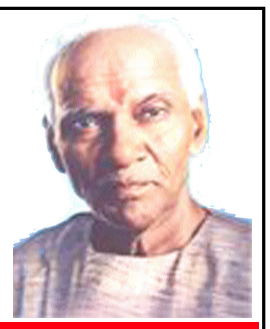

विक्रम संवत 2079 पौष कृष्ण प्रतिपदा

संपादकीय

जब छात्र छोटे समूहों में अध्ययन करते हैं और किसी सामान्य शैक्षिक विषय पर अपने विचार साझा करते हैं...

जब छात्र छोटे समूहों में अध्ययन करते हैं और किसी सामान्य शैक्षिक विषय पर अपने विचार साझा करते हैं, तो इसे समूह में अध्ययन या समूह अध्ययन कहा जाता है। इस प्रकार गठित समूह को अध्ययन समूह कहा जाता है। अध्ययन समूह में आमतौर पर वे छात्र शामिल होते हैं जो एक ही कक्षा या एक ही बैच में पढ़ते हैं। यह आवश्यक नहीं है कि अध्ययन समूह के छात्र एक-दूसरे को जानते हों। अध्ययन समूह बनाने से पहले यह देख लेना चाहिए कि भाग लेने वाले सभी छात्रों को अध्ययन के लिए एक सामान्य विषय या पाठ्यक्रम साझा करना चाहिए ताकि वे एक-दूसरे के साथ अपने विचार साझा कर सकें। भाग लेने वाले छात्र नियमित रूप से एक-दूसरे से मिलते हैं और विषयों पर चर्चा करते हैं। समूह औपचारिक या अनौपचारिक हो सकता है। कठिन विषयों का एक साथ अध्ययन करने या परीक्षा की तैयारी के लिए छात्रों द्वारा अपने मित्र मंडली में अनौपचारिक अध्ययन समूह बनाए जाते हैं। औपचारिक समूह का गठन अधिकारियों या संकाय द्वारा स्कूलों और कॉलेजों या कार्यालयों में एक सामान्य परियोजना पर काम करने के लिए किया जाता है। इस प्रकार के समूह में, प्रतिभागी किसी विषय पर शोध करने और एक समूह परियोजना तैयार करने के लिए मिलते हैं जिसे स्कूलों, कॉलेजों या कार्यालयों में प्रस्तुत किया जाना है। स्टडी ग्रुप कैसे बनाएं? अध्ययन समूह बनाना कोई आसान काम नहीं है। इसके अलावा, इसके कई परिणाम भी हैं। समूह सफल हो भी सकता है और नहीं भी।

एक अध्ययन समूह बनाने के लिए कई बुद्धिमानीपूर्ण निर्णयों की आवश्यकता होती है। यहां कुछ बिंदु दिए गए हैं जिन्हें अध्ययन समूह बनाते समय ध्यान में रखा जाना चाहिए- सदस्यों की संख्या तय करना- सबसे पहले लिया जाने वाला निर्णय समूह में सदस्यों की संख्या के बारे में होता है। एक अध्ययन समूह में विद्यार्थियों की अधिकतम संख्या पाँच से अधिक नहीं होनी चाहिए। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण निर्णय है क्योंकि छात्रों की संख्या का समूह पर सीधा प्रभाव पड़ता है। यदि विद्यार्थियों की संख्या बहुत कम है, अर्थात समूह में केवल दो सदस्य हैं, तो समूह बहुत अक्षम होगा। सीमित चर्चा होगी. समूह बहुत उबाऊ हो जाएगा. एक स्वस्थ चर्चा के लिए दो लोग पर्याप्त नहीं हैं। अक्सर, जब दो लोग एक साथ अध्ययन करते हैं तो इसे समूह अध्ययन नहीं कहा जाता है। यदि विद्यार्थियों की संख्या बहुत अधिक हो अर्थात किसी समूह में आठ से दस सदस्य हों या उससे भी अधिक हों तो भी समूह अत्यंत अकुशल एवं असफल होगा।

ऐसा इसलिए है क्योंकि किसी चर्चा के दौरान एक साथ इतने सारे छात्रों से संवाद करना बहुत मुश्किल होता है। अधिकांश लोग उपेक्षित महसूस करते हैं। इसके अलावा, समय प्रबंधन बहुत कठिन हो जाता है। सभी छात्र एक ही समय पर मुक्त नहीं हो सकते हैं। ऐसे में समूह में पढ़ाई के लिए एक निश्चित समय तय करना बहुत मुश्किल हो जाता है. पढ़ाई के लिए जगह तय करना भी एक समस्या बन जाता है क्योंकि अधिक संख्या में छात्रों के लिए बैठने की अधिक व्यवस्था की आवश्यकता होती है। इसलिए, अध्ययन समूह में छात्रों की संख्या तय करना पहला और सबसे महत्वपूर्ण निर्णय है। समूहों के सदस्यों को चुनना- दूसरा निर्णय यह चुनना चाहिए कि आपके समूह का हिस्सा कौन बनेगा। छात्रों का चयन करते समय कई सदस्यों को ध्यान में रखना चाहिए। सदस्यों का चयन इस प्रकार किया जाना चाहिए ताकि वे समूह को कुशल बना सकें। एक उदाहरण लेते हुए, मान लीजिए कि एक छात्र अपनी अंतिम परीक्षा की तैयारी के लिए एक अध्ययन समूह बनाना चाहता है, तो उसे सदस्यों का चयन इस प्रकार करना चाहिए कि न तो सभी सदस्य बहुत बुद्धिमान हों और न ही वे सभी पढ़ाई में बहुत कमजोर हों। यदि सभी छात्र बहुत कमजोर हैं, तो समूह में कोई भी ऐसा नहीं होगा जो अन्य सदस्यों को पढ़ाने की जिम्मेदारी ले सके। यदि वे सभी बहुत बुद्धिमान हैं, तो समूह बेकार हो जाता है।

गुड़ी पड़वा

गुढी पाडवा (हिंदू तथा मराठी नववर्ष) के दिन हिन्दू नव संवत्सरारम्भ माना जाता है। चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा को गुढी पाडवा या वर्ष प्रतिपदा या उगादि (युगादि) कहा जाता है। इस दिन हिन्दु नववर्ष का आरम्भ होता है। गुढी का अर्थ विजय पताका होता है। कहते हैं की मराठी राजा शालिवाहन ने मिट्टी के सैनिकों की सेना से प्रभावी शत्रुओं (शक) का पराभव किया। इस विजय के प्रतीक रूप में शालिवाहन शक का प्रारंभ इसी दिन से होता है। 'युग' और 'आदि' शब्दों की संधि से बना है 'युगादि'। आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में 'उगादि' और महाराष्ट्र में यह पर्व गुढी पाडवा यांनी मराठी नववर्ष के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन चैत्र नवरात्रि का प्रारम्भ होता है।

परिचय

कहा जाता है कि इसी दिन ब्रह्माजी ने सृष्टि का निर्माण किया था। इसमें मुख्यतया ब्रह्माजी और उनके द्वारा निर्मित सृष्टि के प्रमुख देवी-देवताओं, यक्ष-राक्षस, गंधर्व, ऋषि-मुनियों, नदियों, पर्वतों, पशु-पक्षियों और कीट-पतंगों का ही नहीं, रोगों और उनके उपचारों तक का भी पूजन किया जाता है। इसी दिन से नया संवत्सर शुरू होता है। अत इस तिथि को 'नवसंवत्सर' भी कहते हैं। चैत्र ही एक ऐसा महीना है, जिसमें वृक्ष तथा लताएं पल्लवित व पुष्पित होती हैं। शुक्ल प्रतिपदा का दिन चंद्रमा की कला का प्रथम दिवस माना जाता है। जीवन का मुख्य आधार वनस्पतियों को सोमरस चंद्रमा ही प्रदान करता है। इसे औषधियों और वनस्पतियों का राजा कहा गया है। इसीलिए इस दिन को वर्षारम्भ माना जाता है।

आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र में सारे घरों को आम के पेड़ की पत्तियों के बंदनवार से सजाया जाता है। सुखद जीवन की अभिलाषा के साथ-साथ यह बंदनवार समृद्धि, व अच्छी फसल के भी परिचायक हैं। 'उगादि' के दिन ही पंचांग तैयार होता है। महान गणितज्ञ भास्कराचार्य ने इसी दिन से सूर्योदय से सूर्यास्त तक दिन, महीना और वर्ष की गणना करते हुए 'पंचांग ' की रचना की। चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा को महाराष्ट्र में गुढीपाड़वा कहा जाता है। वर्ष के साढ़े तीन मुहूतारें में गुड़ीपड़वा की गिनती होती है। शालिवाहन शक का प्रारंभ इसी दिन से होता है। लोककथा है कि मराठी राजा शालिवाहन (सातवाहन) नामक एक राजा ने मिट्टी के सैनिकों की सेना बनाई और उस पर पानी छिड़ककर उनमें प्राण फूँक दिए और इस सेना की मदद से शिक्तशाली शत्रुओं को पराजित किया।

इतिहास प्रमाण यह है की शालिवाहन राजा थे और उनकी विशाल सेना ने शक नामक शत्रुओं को पराजित किया। और मराठी साम्राज का विस्तार किया। इस विजय के प्रतीक के रूप में शालिवाहन शक का प्रारंभ हुआ। कई लोगों की मान्यता है कि इसी दिन भगवान राम ने वानरराज बाली के अत्याचारी शासन से दक्षिण की प्रजा को मुक्ति दिलाई। बाली के त्रास से मुक्त हुई प्रजा ने घर-घर में उत्सव मनाकर ध्वज (गुड़ियां) फहराए। आज भी घर के आंगन में गुड़ी खड़ी करने की प्रथा महाराष्ट्र में प्रचलित है। इसीलिए इस दिन को गुढीपाडवा नाम दिया गया। इसलिये इसे मराठी नया साल कहते हैं।

इस अवसर पर आंध्र प्रदेश में घरों में 'पच्चड़ी/प्रसादम' तीर्थ के रूप में बांटा जाता है। कहा जाता है कि इसका निराहार सेवन करने से मानव निरोगी बना रहता है। चर्म रोग भी दूर होता है। इस पेय में मिली वस्तुएं स्वादिष्ट होने के साथ-साथ आरोग्यप्रद होती हैं। महाराष्ट्र में पूरन पोली या मीठी रोटी बनाई जाती है। इसमें जो चीजें मिलाई जाती हैं वे हैं--गुड़, नमक, नीम के फूल, इमली और कच्चा आम। गुड़ मिठास के लिए, नीम के फूल कड़वाहट मिटाने के लिए और इमली व आम जीवन के खट्टे-मीठे स्वाद चखने का प्रतीक होती हैं। यूँ तो आजकल आम बाजार में मौसम से पहले ही आ जाता है, किन्तु आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र में इसी दिन से खाया जाता है। नौ दिन तक मनाया जाने वाला यह त्यौहार दुर्गापूजा के साथ-साथ, रामनवमी को राम और सीता के विवाह के साथ सम्पन्न होता है।

इतिहास में वर्ष प्रतिपदा

ब्रह्म पुराण के अनुसार ब्रह्मा द्वारा सृष्टि का सृजन

मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम का राज्याभिषेक

माँ दुर्गा की उपासना की नवरात्र व्रत का प्रारम्भ

युगाब्द (युधिष्ठिर संवत) का आरम्भ तथा उनका राज्याभिषेक

उज्जयिनी सम्राट- विक्रमादित्य द्वारा विक्रमी संवत् प्रारम्भ

शालिवाहन शक संवत् (भारत सरकार का राष्ट्रीय पंचांग) का प्रारम्भ

महर्षि दयानन्द द्वारा आर्य समाज की स्थापना का दिवस

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार का जन्मदिवस

सिख परंपरा के द्वितीय गुरु अंगद देव जी के जन्म दिवस

सिंध प्रान्त के प्रसिद्ध समाज रक्षक वरूणावतार संत झूलेलाल का प्रकट दिवस

नव वर्ष का प्रारम्भ प्रतिपदा से ही क्यों

भारतीय नववर्ष का प्रारम्भ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से ही माना जाता है और इसी दिन से ग्रहों, वारों, मासों और संवत्सरों का प्रारंभ गणितीय और खगोल शास्त्रीय संगणना के अनुसार माना जाता है। आज भी जनमानस से जुड़ी हुई यही शास्त्रसम्मत कालगणना व्यावहारिकता की कसौटी पर खरी उतरी है। इसे राष्ट्रीय गौरवशाली परंपरा का प्रतीक माना जाता है।

विक्रमी संवत किसी संकुचित विचारधारा या पंथाश्रित नहीं है। हम इसको पंथ निरपेक्ष रूप में देखते हैं। यह संवत्सर किसी देवी, देवता या महान पुरुष के जन्म पर आधारित नहीं, ईस्वी या हिजरी सन की तरह किसी जाति अथवा संप्रदाय विशेष का नहीं है। हमारी गौरवशाली परंपरा विशुद्ध अर्थों में प्रकृति के खगोलशास्त्रीय सिद्धातों पर आधारित है और भारतीय कालगणना का आधार पूर्णतया पंथ निरपेक्ष है। प्रतिपदा का यह शुभ दिन भारत राष्ट्र की गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है। ब्रह्म पुराण के अनुसार चैत्रमास के प्रथम दिन ही ब्रह्मा ने सृष्टि संरचना प्रारंभ की। यह भारतीयों की मान्यता है, इसीलिए हम चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से नववर्षारंभ मानते हैं।

आज भी भारत में प्रकृति, शिक्षा तथा राजकीय कोष आदि के चालन-संचालन में मार्च, अप्रैल के रूप में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को ही देखते हैं। यह समय दो ऋतुओं का संधिकाल है। इसमें रातें छोटी और दिन बड़े होने लगते हैं। प्रकृति नया रूप धर लेती है। प्रतीत होता है कि प्रकृति नवपल्लव धारण कर नव संरचना के लिए ऊर्जस्वित होती है। मानव, पशु-पक्षी, यहां तक कि जड़-चेतन प्रकृति भी प्रमाद और आलस्य को त्याग सचेतन हो जाती है। वसंतोत्सव का भी यही आधार है। इसी समय बर्फ पिघलने लगती है। आमों पर बौर आने लगता है। प्रकृति की हरीतिमा नवजीवन का प्रतीक बनकर हमारे जीवन से जुड़ जाती है।

इसी प्रतिपदा के दिन आज से 2054 वर्ष पूर्व उज्जयनी नरेश महाराज विक्रमादित्य ने विदेशी आक्रांत शकों से भारत-भू का रक्षण किया और इसी दिन से काल गणना प्रारंभ की।

उपकृत राष्ट्र ने भी उन्हीं महाराज के नाम से विक्रमी संवत कह कर पुकारा। महाराज विक्रमादित्य ने आज से 2054 वर्ष पूर्व राष्ट्र को सुसंगठित कर शकों की शक्ति का उन्मूलन कर देश से भगा दिया और उनके ही मूल स्थान अरब में विजयश्री प्राप्त की। साथ ही यवन, हूण, तुषार, पारसिक तथा कंबोज देशों पर अपनी विजय ध्वजा फहराई। उसी के स्मृति स्वरूप यह प्रतिपदा संवत्सर के रूप में मनाई जाती थी और यह क्रम पृथ्वीराज चौहान के समय तक चला। महाराजा विक्रमादित्य ने भारत की ही नहीं, अपितु समस्त विश्व की सृष्टि की। सबसे प्राचीन कालगणना के आधार पर ही प्रतिपदा के दिन को विक्रमी संवत के रूप में अभिषिक्त किया।

इसी दिन मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान रामचंद्र के राज्याभिषेक अथवा रोहण के रूप में मनाया गया। यह दिन ही वास्तव में असत्य पर सत्य की विजय दिलाने वाला है। इसी दिन महाराज युधिष्टिर का भी राज्याभिषेक हुआ और महाराजा विक्रमादित्य ने भी शकों पर विजय के उत्सव के रूप में मनाया। आज भी यह दिन हमारे सामाजिक और धार्मिक कार्यों के अनुष्ठान की धुरी के रूप में तिथि बनाकर मान्यता प्राप्त कर चुका है। यह राष्ट्रीय स्वाभिमान और सांस्कृतिक धरोहर को बचाने वाला पुण्य दिवस है। हम प्रतिपदा से प्रारंभ कर नौ दिन में छह मास के लिए शक्ति संचय करते हैं, फिर अश्विन मास की नवरात्रि में शेष छह मास के लिए शक्ति संचय करते हैं।

सन 78 में हूण वंश के सम्राट कनिष्क ने अपने राज्यारोहण के समय चैत्र शु. प्रतिपदा के दिन शक संवत शुरू किया था।

17 साल का सबसे बड़ा उछाल, इस डील के बाद रॉकेट बने एक्साइड के शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बैटरी बनाने वाली कंपनी एक्साइड इंडस्ट्रीज के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। एक्साइड इंडस्ट्रीज के शेयर सोमवार 8 अप्रैल को 17 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 383.50 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर अपने ऑल-टाइम हाई पर जा पहुंचे हैं। एक्साइड इंडस्ट्रीज के शेयरों में जून 2006 के बाद एक दिन में आया यह सबसे बड़ा उछाल है। कंपनी के शेयरों में यह तेजी हुंडई मोटर और किआ कॉरपोरेशन के साथ पार्टनरशिप के बाद आई है।

दक्षिण कोरिया की ऑटोमोबाइल कंपनी किआ कॉरपोरेशन और हुंडई मोटर ने एक्साइड इंडस्ट्रीज के पूर्ण मालिकाना हक वाली इकाई एक्साइड एनर्जी सॉल्यूशंस के साथ भारत में ईवी बैटरी लोकलाइजेशन के लिए पार्टनरशिप की है। एग्रीमेंट के मुताबिक, दोनों ऑटोमोबाइल कंपनियों के लिए भारत में ही इलेक्ट्रिक व्हीकल बैटरीज की मैन्युफैक्चरिंग होगी, इससे देश में इन ऑटोमोबाइल कंपनियों के इलेक्ट्रिक व्हीकल के लिए बैटरी लोकलाइजेशन को मजबूती मिलेगी। इन दोनों कंपनियों का लिथियम-ऑयन फॉस्फेट सेल्स पर भी खास फोकस है।

एक्साइड इंडस्ट्रीज के शेयरों ने पिछले एक साल में 109 पर्सेंट के करीब रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयरों ने एक साल में ही निवेशकों का पैसा दोगुना कर दिया है। एक्साइड इंडस्ट्रीज के शेयर 10 अप्रैल 2023 को 181.30 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 8 अप्रैल 2024 को 383.50 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 178.75 रुपये है। पिछले 6 महीने में एक्साइड इंडस्ट्रीज के शेयरों में 50 पर्सेंट के करीब उछाल आया है। इस अवधि में कंपनी के शेयर 254.85 रुपये से बढ़कर 383.50 रुपये पर जा पहुंचे हैं।

ब्रोकरेज फर्म एलारा कैपिटल, एक्साइड इंडस्ट्रीज के शेयरों पर पॉजिटिव है। ब्रोकरेज फर्म का कहना है कि हुंडई मोटर और किआ कॉरपोरेशन के साथ पार्टनरशिप एक बड़ा पॉजिटिव सरप्राइज है। विदेशी ब्रोकरेज हाउस मॉर्गन स्टैनली भी एक्साइड इंडस्ट्रीज पर ओवरवेट है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने गुरुग्राम में केवल 3 दिन में बेच डाले 3000 करोड़ रुपये से अधिक के 1,050 लक्जरी मकान

नई दिल्ली (एजेंसी)। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने गुरुग्राम में अपनी नई परियोजना पेश करने के तीन दिन के अंदर ही 3,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के 1,050 से अधिक मकान बेच दिए।

कंपनी के इस अपडेट के बाद गोदरेज प्रापर्टी के शेयर 2692 रुपये के हाई पर पहुंच गया। यह इसका 52 हफ्ते का नया हाई है। दोपहर 12 बजे के करीब स्टॉक 6.16 फीसद ऊपर 2454.45 रुपये पर ट्रेड कर रहा था।

गोदरेज प्रापर्टी की यह उपलब्धि आवासीय क्षेत्र में मजबूत बिक्री गति को दर्शाता है। पिछले 18 महीने में गुरुग्राम में पेश की गई आवासीय परियोजनाएं सफल रही हैं। वहां अपार्टमेंट बिक्री के लिए पेश किए जाने के कुछ दिन के भीतर ही बिक जाते हैं।

कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया, मूल्य और बिक्री के मामले में यह गोदरेज प्रॉपर्टीज की अभी तक की सबसे सफल परियोजना रही।

यह परियोजना गुरुग्राम में जीपीएल का सबसे बड़ा आवासीय ग्रोथ है। गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी गौरव पांडे ने कहा, गुरुग्राम गोदरेज प्रॉपर्टीज के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण बाजार है। हम आने वाले वर्षों में गुरुग्राम में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने की कोशिश करेंगे।

400 के पार जाएगा यह शेयर, आज रिकॉर्ड हाई पर भाव, मुकेश अंबानी की है कंपनी

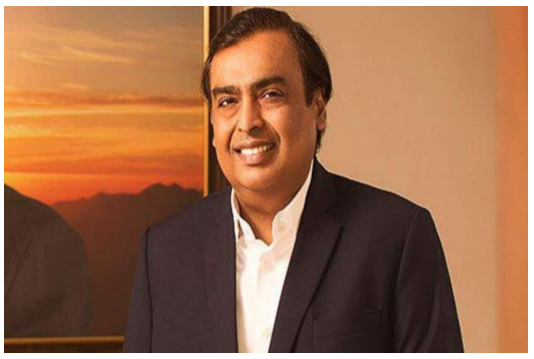

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुकेश अंबानी की कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के शेयरों में आज सोमवार को कारोबार के दौरान गजब की तेजी देखी गई। कंपनी के शेयर 1.5% चढ़कर 378.70 रुपये के हाई पर पहुंच गए। यह इसका 52 वीक का नया हाई प्राइस है। बता दें कि इस कीमत पर इसमें साल-दर-साल आधार पर 58.67 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। मार्केट एक्सपर्ट के मुताबिक, इस शेयर में अभी और तेजी आ सकती है।

प्रभुदास लीलाधर के टेक रिसर्च एनालिस्ट शिजू कूथुपालक्कल ने कहा, शेयर 387 रुपये के स्तर तक दिखाई देने वाले निकट अवधि के टारगेट के साथ अपनी बढ़त जारी रख सकता है। अगर मजबूती बनी रही, तो यह 408 रुपये का टारगेट को हासिल कर सकता है। वर्तमान से प्रमुख समर्थन दर लगभग 352 रुपये होगी। आनंद राठी शेयर्स और स्टॉक ब्रोकर्स के वरिष्ठ प्रबंधक - तकनीकी अनुसंधान विश्लेषक, जिगर एस पटेल ने कहा, समर्थन 350 रुपये पर होगा और प्रतिरोध 393 रुपये पर होगा। 393 रुपये के ऊपर बंद होने के बाद यह शेयर 432 रुपये तक जा सकता है। एक महीने के लिए ट्रेडिंग रेंज 350 रुपये से 435 रुपये के बीच होगी।

YTD में इस शेयर ने 58 प्रतिशत की तेजी देखी गई। वहीं, तीन महीने में जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के शेयर 52.66 फीसदी चढ़ गए हैं। छह महीने में कंपनी के शेयर 64.46 पर्सेंट चढ़ गया है। बीएसई पर इसका 52-वी का हाई प्राइस 378.70 रुपये है। वहीं, 52 वीक का लो प्राइस 204.65 रुपये है। 8 अप्रैल को कंपनी का मार्केट कैप 2,36,215.11 करोड़ रुपये हो गया।

एक खबर और इस शेयर को खरीदने की मच गई लूट, 180 पर आ गया भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। नायका के शेयर आज सोमवार को फोकस में हैं। कंपनी के शेयरों में आज 8त्न तक की तगड़ी तेजी देखने को मिली। कंपनी के शेयर कारोबार के दौरान आज 180.85 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ी वजह है। दरअसल, नायका को उम्मीद है कि उसे Q4 में जबरदस्त फायदा होगा। इसके बाद से ही आज नायका की पैरेंट कंपनी एफएसएन ई-कॉमर्स के शेयरों में तगड़ी खरीदारी हो रही है। अपनी नई बिजनेस रिपोर्ट में कंपनी ने कहा कि उसे जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान रेवेन्यू में हाई ट्वेन्टी सालाना ग्रोथ की उम्मीद है। ब्यूटी और पर्सनल केयर सेगमेंट के लिए, नायका का ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू साल-दर-साल लगभग 30% बढ़ने की संभावना है। कंपनी अपने सेल्स वैल्यू में भी 25% तक ग्रोथ की उम्मीद कर रही है। बता दें कि दिसंबर तिमाही में नायका नेट प्रॉफिट साल-दर-साल आधार पर दोगुना हो गया था। पिछले साल की तुलना में रेवेन्यू में 22% की वृद्धि हुई थी। ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले इसकी कमाई (ईबीआईटीडीए) मार्जिन भी पिछले दिसंबर में 5.3% से बढ़कर 5.5% हो गया था। आपको बता दें कि नायका का आईपीओ साल 2021 में आया था। तब इसका प्राइस बैंड 1125 तय किया गया था।

पुरानी और नई कर व्यवस्था में क्या है अंतर? जानें इनकम टैक्स स्लैब से लेकर छूट तक की डिटेल

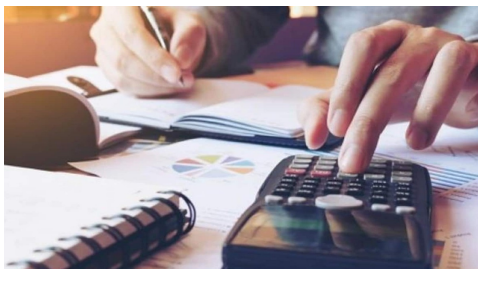

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1 अप्रैल से नए वित्तीय वर्ष 2024-25 की शुरुआत में टैक्सपेयर्स के लिए यह जानना महत्वपूर्ण है कि नई कर व्यवस्था और पुरानी कर व्यवस्था में क्या अंतर है? टैक्स स्लैब क्या है और कितना फायदा है? आइए सीए अजय बगड़िया, सीए संतोष मिश्रा और अभिनंदन पांडेय से इसकी बारिकियां समझें..

सीए संतोष मिश्रा ने बताया कि प्रभावी वित्त वर्ष 2023-24 से नई कर व्यवस्था डिफॉल्ट आयकर व्यवस्था बन गई है। इसलिए यदि आप पुरानी कर व्यवस्था को चुनना चाहते हैं, तो आपको वित्तीय वर्ष की शुरुआत में अपने नियोक्ता को बताना होगा ताकि आपके आयकर की गणना उसके अनुसार की जा सके। हम वित्त वर्ष 2024-25 (एसेसमेंट ईयर 2025-26) के लिए इनकम टैक्स स्लैब पर एक नजर डालते हैं।

पुरानी कर व्यवस्था में एसेसमेंट ईयर 2024-25 के लिए टैक्स स्लैब की बात करें तो 250000 रुपये तक की आय के लिए कोई टैक्स नहीं है। अगर आपकी इनकम 500000 से कम है तो भी टैक्स शून्य है, लेकिन जैसे ही इस लिमिट को क्रॉस करते हैं टैक्स की गणना 250001 रुपये से होगी। यानी 250001 से 500000 तक की इनकम पर आपको 5 पर्सेंट टैक्स देने होंगे।

500001 से 1000000 रुपये तक 20 और दस लाख से ऊपर की इनकम पर 30 पर्सेंट टैक्स बनेगा। आयकर स्लैब 2024-25 पुरानी कर व्यवस्था के तहत 500,000 रुपये से अधिक की कुल आय वाले व्यक्तिगत करदाता 12,500 रुपये या वास्तविक देय कर, जो भी कम हो, की कर छूट के लिए पात्र होंगे। यह भी जानना जरूरी है कि 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक के लिए मूल छूट सीमा 3 लाख रुपये है।

कोचीन शिपयार्ड के शेयरों में तूफान, अमेरिकी नेवी से हुई डील, नई ऊंचाई पर पहुंचे शेयर

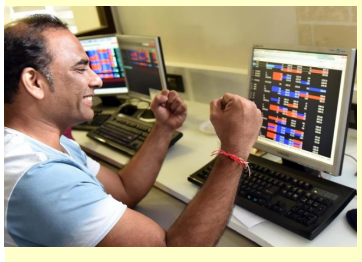

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिनीरत्न कंपनी कोचीन शिपयार्ड के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। कोचीन शिपयार्ड के शेयर सोमवार को 8 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 1169.40 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों ने सोमवार को 52 हफ्ते का अपना नया हाई भी बनाया है। कोचीन शिपयार्ड के शेयरों में यह तेज उछाल एक डील की वजह से आया है। कोचीन शिपयार्ड ने युनाइटेड स्टेट नेवी के साथ मास्टर शिपयार्ड रिपेयर एग्रीमेंट पर दस्तखत किए हैं। इस एग्रीमेंट के तहत कोचीन शिपयार्ड में मिलिट्री सीलिफ्ट कमांड के तहत अमेरिकी नेवल वेसेल्स की रिपेयरिंग हो सकेगी। कोचीन शिपयार्ड के शेयरों में पिछले एक साल में जबरदस्त तेजी आई है। कंपनी के शेयर पिछले एक साल में 380 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। कोचीन शिपयार्ड के शेयर 10 अप्रैल 2023 को 243.68 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 8 अप्रैल 2024 को 1169.40 रुपये पर पहुंच गए हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

दूसरे चरण की लाटरी अप्रैल के अंतिम सप्ताह में निकाली जाएगी

भोपाल। शिक्षा का अधिकार अधिनियम(आरटीई) के तहत दूसरे चरण की लाटरी सोमवार को घोषित होने वाली थी, लेकिन आरटीई को लेकर इंदौर हाईकोर्ट के स्टे के बाद प्रवेश प्रक्रिया पर रोक लगा दी गई है। पहले चरण में आवंटित सीटों पर भी कई स्कूल बच्चों का प्रवेश नहीं ले रहे हैं। आरटीई की प्रवेश प्रक्रिया का प्रदेश के कई सीबीएसई स्कूल विरोध कर रहे है।मामले को लेकर सीबीएसई स्कूलों के संगठन ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। मामले में अगली सुनवाई 29 अप्रैल को होगी। इसके बाद राज्य शिक्षा केंद्र दूसरे चरण के लाटरी की घोषणा करेगा। अब दूसरे चरण की लाटरी अप्रैल के अंत में घोषित की जाएगी। इसमें पहले चरण में मनपसंद सीटों पर प्रवेश नहीं ले पाए करीब 10 हजार विद्यार्थी भी

शामिल होंगे।वहीं इस सत्र में प्रदेश भर के 23 हजार निजी स्कूलों में 1.12 लाख सीटों पर 84 हजार 795 बच्चों को लाटरी निकालकर उन्हें स्कूल आवंटित किया गया था, लेकिन 73 हजार ने ही प्रवेश लिया है।अब भी 27 हजार 205 सीटें खाली है। दूसरे चरण में करीब 38 हजार आवेदक शामिल होंगे। बता दें, कि आरटीई के तहत निजी स्कूलों की पहली या प्रारंभिक कक्षा की 25 फीसद सीटों पर सरकार द्वारा प्रवेश दिया जाता है। इनकी फीस सरकार द्वारा वहन की जाती है। कई जिलों में आरटीई के तहत विद्यार्थियों के अभिभावक कलेक्टर व जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में शिकायत करने पहुंच रहे हैं। कई स्कूलों ने इंदौर हाईकोर्ट के आए स्टे के बाद बच्चों को प्रवेश देने से मना कर दिया है।29 अप्रैल को होना है सुनवाई

आरटीई की प्रवेश प्रक्रिया का प्रदेश के कई सीबीएसई स्कूल विरोध कर रहे है। मामले को लेकर सीबीएसई स्कूलों के संगठन ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। हाईकोर्ट ने विवाद की स्थिति को देखते हुए राज्य शिक्षा केंद्र के 21 फरवरी के जारी आदेश पर अगली सुनवाई तक स्टे दिया है। हालांकि याचिकाकर्ता स्कूलों को आरटीई के प्रविधानों पर अमल करने के निर्देश दिए है।अगली सुनवाई 29 अप्रैल को होगी।

उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन 98 प्रतिशत पूरा हो चुका है, रिजल्ट अप्रैल के तीसरे सप्ताह में होंगे जारी

भोपाल । मप्र बोर्ड 10वीं व 12वीं की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन 98 प्रतिशत पूरा हो चुका है। अब भी दो प्रतिशत मूल्यांकन कार्य बाकी है।माध्यमिक शिक्षा मंडल(माशिमं) ने पांच अप्रैल तक मूल्यांकन कार्य करने के निर्देश दिए थे, लेकिन कुछ जिलों में शिक्षकों की ड्यूटी चुनाव कार्य में लगाए जाने के कारण मूल्यांकन की गति धीमी है। अब 10 अप्रैल तक मूल्यांकन कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं,ताकि समय से परिणाम घोषित किया जा सके।

मूल्यांकन कार्य 22 फरवरी से जारी है।अधिकारियों का कहना है कि नौवीं व 11वीं की वार्षिक और 5वीं व 8वीं की बोर्ड परीक्षाओं की कापियों के मूल्यांकन के कारण कार्य प्रभावित हुआ है। भोपाल सहित मुरैना सहित एक-दो जिले में जिला शिक्षा अधिकारी (डीइओ) ने समन्वयक केंद्र का निरीक्षण कर मूल्यांकन से अनुपस्थित रहने वाले शिक्षकों को नोटिस जारी किया है। बता दें, कि प्रदेश के 17 लाख विद्यार्थियों की एक करोड़ 10 लाख उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य चल रहा है। अभी तक मूल्यांकन कार्य धीमी गति से चल रहा था। मूल्यांकन कार्य पांच अप्रैल को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया गया।अब 10 अप्रैल तक पूरा करना है। इसके बाद रिजल्ट बनाने की प्रक्रिया शुरू होगी। करीब 10 दिन रिजल्ट बनाने में लगेंगे।20 से 25 अप्रैल के बीच 10वीं व 12वीं का परिणाम घोषित किए जाने की संभावना है ।-98 प्रतिशत उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य पूरा हो चुका है। शिक्षकों की ड्यूटी चुनाव में लगने के कारण रफ्तार धीमी हुई है, लेकिन 10 अप्रैल तक पूरा कर लिया जाएगा और इस माह के तीसरे सप्ताह में परिणाम घोषित कर दिया जाएगा।

- केडी त्रिपाठी,सचिव, माशिमं

अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान की आड़ में स्कूल संचालकों ने शासन से मान्यता ले ली मान्यता मिलने के बाद मुनाफाखोरी शुरू की

ग्वालियर। अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान की आड़ में स्कूल संचालकों ने शासन से मान्यता ले ली। मान्यता मिलने के बाद ही उन्होंने मुनाफाखोरी शुरू कर दी। आलम यह है कि अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान के आधार पर मान्यता लेने वाले स्कूलों में अल्पसंख्यक बच्चे महज दो से तीन फीसद ही पढ़ाई कर रहे हैं। अल्पसंख्यक की सीट पर सामान्य बच्चों को प्रवेश दिया गया है, लेकिन इस पर शासन और प्रशासनिक अफसरों का ध्यान तक नहीं है। बता दें कि अल्पसंख्यक स्कूलों को शिक्षा का अधिकार अधिनियम से छूट प्राप्त है। इसलिए उन्हें शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के तहत बच्चों को प्रवेश भी नहीं देना होता है। इसके एवज में उन्हें अल्पसंख्यक बच्चों को प्राथमिकता से प्रवेश देना होता है, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा और शिक्षा विभाग आंख मूंदकर बैठा हुआ है। जिले में अल्पसंख्यक स्कूलों की संख्या 13 है, लेकिन इनमें अल्प संख्यक वर्ग से अधिक अन्य वर्ग के बच्चे अध्यनरत हैं। राष्ट्रीय स्तर पर अल्पसंख्यक स्कूल में अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थियों की संख्या कम से कम 50 फीसद होना चाहिए, जबकि मध्य प्रदेश राज्य स्तर पर इसकी संख्या 25 फीसद निर्धारित की गई है। इसके बाद भी इन स्कूलों में 25 फीसद बच्चे अध्यनरत नहीं है, क्योंकि जिस उद्देश्य के साथ इन स्कूल संचालकों ने मान्यता ली, ये उस उद्देश्य को भूलकर मुनाफाखोरी में जुट गए हैं। जांच में दो स्कूलों में महज दो से तीन फीसद बच्चे मिले- निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ शिक्षा विभाग और प्रशासनिक अफसर स्कूल जाकर यह पता लगाने का प्रयास कर रहे कि इन स्कूलों में शासन द्वारा जारी की गई गाइड लाइन का पालन हो रहा है अथवा नहीं। इसमें सामने आया कि एसडीएम अशोक चौहान जब सेंटपाल स्कूल पहुंचे तो वहां पर अल्प संख्यक समाज के महज दो से तीन फीसद बच्चे ही अध्यनरत मिले। बाकी के 97 से 98 फीसद बच्चे अन्य समुदाय के थे। इसी तरह से बीते रोज नेशनल पब्लिक स्कूल में यही हालात मिले।

कौन से होते हैं अलपसंख्यक विद्यालयअल्पसंख्यक विद्यालय जिसमें जैन, बौद्ध, मुस्लिम, सिख, इसाई, फारसी आदि समुदाय के सदस्यों वाली संस्था से संचालित विद्यालयों को अल्पसंख्यक स्कूल माना जाता है। इन विद्यालयों पर आरटीई का नियम प्रभावी नहीं होता और उन्हें समय-समय पर शासन से मदद भी मिलती है। शहर में कार्मल कान्वेंट स्कूल फालका बाजार, गालव स्कूल, नेशनल स्कूल, मदर टेरेसा स्कूल आदि ने अल्प संख्यक स्कूल के तौर पर मान्यता ले रखी है। इनके अलावा सेंट जोसेफ पिपरोली, जैन सेंट्रल स्कूल लश्कर, सेंट टेरेसा स्कूल सिकंदरकंपू, सेंट पाल मुरार, सेंट पीटर डबरा, बेथेस्डा क्रिश्चियन एकेडमी टेकनपुर, सेंट जान वियानी मुरैना रोड, नेशनल चिल्ड्रन स्कूल, नवयुग चिल्ड्रन स्कूल आदि को अल्पसंख्यक संस्थान के तौर पर मान्यता प्राप्त हैं।

खुले घर में चोर घुसे और रुपये, आभूषण पार कर दिए

जबलपुर। रांझी थाना क्षेत्र में शनिवार-रविवार की मध्य रात्रि एक घर में चोरों ने सेंध लगा दी। आलमारी में रखे रुपये और आभूषण पार कर दिए। पुलिस के अनुसार बंशकार मोहल्ला झंडा चौक निवासी पवन बंशकार ने रविवार को घर में चोरी होने की शिकायत पंजीबद्ध कराया है। वापसी में घर का दरवाजा बंद करना भूल गया

शिकायत में कहा है कि शनिवार की रात में घर पर सभी लोग सो गए थे। देर रात को परिवार का कोई सदस्य शौचालय जाने के लिए उठा और बाहर गया। वापसी में घर का दरवाजा बंद करना भूल गया। मौका पाकर कोई चोर घर में प्रवेश किया। आलमारी में रखे सोने-चांदी के आभूषण और दस हजार रुपये नकद चुराकर ले गया।

ई-रिक्शा की किस्त जमा करने के लिए रखे थे 10 हजारआलमारी में रखे 10 हजार रुपये उसकी ई-रिक्शा की किस्त जमा करने के लिए रखे थे। उसने आठ माह पूर्व ही एक ई-रिक्शा क्रय किया था। पुलिस ने मामले में जांच प्रारंभ कर दी है।

होम्योपैथी कालेजों में अब स्नातक छात्र-छात्राओं की प्रतिदिन एक घंटे ज्यादा पढ़ाई कराई जाएगी

जबलपुर। होम्योपैथी कालेजों में अब स्नातक छात्र-छात्राओं की प्रतिदिन एक घंटे ज्यादा पढ़ाई कराई जाएगी। राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग ने बैचलर ऑफ होम्योपैथी मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएचएमएस) पाठ्यक्रम में क्लासेस छह घंटे से बढ़ाकर सात घंटे की कर दिया है। इससे पाठ्यक्रम में कक्षाओं के संचालन का कुल समय बढ़कर 6318 घंटा हो गया है। यह परिवर्तन नए शैक्षिण सत्र से लागू होगा। आयोग ने पाठ्यक्रम की कुल अवधी को पूर्ववत ही रखा है। पाठ्यक्रम में साढ़े चार वर्ष कक्षाएं चलेगी और एक वर्ष का इंटर्नशिप होगा। इसके अतिरिक्त आयोग ने होम्योपैथी के पाठ्यक्रम एवं परीक्षा प्रक्रिया में भी कुछ संशोधन किया है। कालेजों की मान्यता मापदंडों को लेकर भी सख्ती की तैयारी कर ली है। यह सब कसरत होम्योपैथी विधा के प्रभावी उपयोग को लेकर की जा रही है।आयोग ने होम्योपैथी कालेजों की मान्यता मापदंडों को लेकर भी नियम सख्त किए है। सूत्रों के अनुसार कालेजों को कक्षाओं से लेकर केंटीन तक पूरा परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाना आवश्यक है। कालेज में पढ़ाने वाले अध्यापकों का पंजीयन क्रमांक आयोग को देना होगा। कालेज में उपलब्ध सुविधाओं सहित समस्त आवश्यक विवरण को अपनी वेबसाइट में अपलोड करना अनिवार्य किया गया है। नए कालेज स्नातक स्तर पर एक सत्र में अधिकतम 100 सीटों के लिए आवेदन कर सकेंगे।प्रवेशार्थियों की नीट रैंक भी सार्वजिनक होगी

होम्योपैथी कालेजों की मान्यता देते समय नए सत्र से उनकी पुराने शैक्षणिक प्रदर्शन की भी समीक्षा की जाएगी। सूत्रों के अनुसार कालेजों के गत वर्ष के परीक्षा परिणाम का अवलोकन भी मान्यता पूर्व किया जाएगा।

कुंभकार समाज ने लगाए मा आराध्य श्री या देंवी माता जयकारे, मध्य क्षेत्र गूंज उठा

ऊंट, घोड़े, बैंड- बाजा, पालकी शोभायात्रा मे हूए शामिल

इंदौर। कुंभकार समाज के विभिन्न घटकों संगठनों ने रविवार शाम आराध्य देवी मां श्रीया देवी माता की जयंती के अवसर पर मध्य क्षेत्र में शोभायात्रा निकाली जिसमे अलग-अलग झांकियां भजन कीर्तन करते समाज जनों की टोलियां आकर्षण का केंद्र रही वही जयकारों से प्रमुख बाजार गूंज मान कर रहे थे, दो दर्जन से ज्यादा मंचों से यात्रा का स्वागत व प्रसादी वितरण किया गया।

प्रजापति 84 महासंघ, अखिल भारतीय प्रजापति कुंभकार महासंघ, प्रजापति युवा संगठन आदि 13 कुंभकार रविविर को एक जुटता के साथ नजर आए। सीए मनोज प्रजापत, भोला ठाकुर, मदन मोहन प्रजापत, योगेश गेन्दर , सत्यनारायन लुनिया, भगवान नकसवाल, मांगीलाल रेडवाल, रमेश भगत ,रूपेश बाबरिया प्यारेलाल नकसवाल ,मुन्ना भैया, जगदीश खंडारे आदि समाज जनों ने गोरा कुण्ड चौराहे से बैंड बाजे घोड़े ऊंट के साथ शोभायात्रा का शुभारंभ किया। यात्रा खजूरी बाजार, राजवाड़ा ,,जबरेश्वर महादेव, सराफा, पिपली बाजार ,बर्तन बाजार, बजाज खाना ,सठा बाजार होते हूए इतवारिया बाजार पहुंची जहां पर समापन किया गया। पुरुष सफेद वस्त्र में महिलाएं पिंक साड़ी में भजन कीर्तन और नृत्य करते हुए चल रहे थे , यात्रा में राधा कृष्ण , श्रीया देवी माता शिव पार्वती, कुंभकार मिट्टी के बर्तन की झांकीया आकर्षण का केंद्र रही रथ पर श्रीया देवी माता की प्रतिमा का जगह-जगह पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया कुंभकार समाज जनो पर 26 से ज्यादा मंचों के माध्यम से पुष्प वर्षा की गई अलग-अलग जगह मेवा मिश्री आइसक्रीम ठंडाई आदि प्रसाद वितरण भी किया गया। इस अवसर पर विभिन्न महिला संगठन कलश धारण कर भी यात्रा को गूंजायमान कर रहे थे।

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आयुष विभाग द्वारा चिकित्सा शिविर आयोजित

इन्दौर। जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बारिया ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर महू विकासखंड के शासकीय आयुर्वेद औषधालय गवली पलासिया, धारनाका, बड़गोंदा, दतोदा, चोरल ने शासकीय अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय के साथ मानपुर ब्लॉक के ग्रामों यशवंत नगर, खेड़ी सिहोद में चिकित्सा परामर्श एवं औषधी वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉ. नेहा भाना, डॉ. सोनम तिवारी, डॉ. प्रिया वर्मा, डॉ. सीमा आर्य, डॉ. रागिनी शिवहरे, लता गलांडे, चंद्रशेखर बंसल, नितिन बोरासी, संदीप सांगले, अंजली गौतम ने सेवाएं प्रदान की।

रक्ताल्पता के लिए इंदौर विकासखंड में शासकीय आयुर्वेद औषधालय टिगरिया बादशाह ने नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन इंदौर शाखा एवं स्वास्थ्य विभाग के साथ मूक बधिर स्कूल स्कीम नंबर 71 के बच्चों में असंचारी रोग रक्ताल्पता के लिए निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सा परामर्श औषधी वितरण शिविर आयोजित किया गया। जिसमें डॉ. राकेश गुप्ता, रचना निगम, रितु रामपुरी, पवित्रा धारविया ने सेवाएं प्रदान की।

निर्वाचित प्रतिनिधि नहीं बन सकेंगे उम्मीदवारों के मतदान एवं मतगणना एजेंट

इंदौर। भारत निर्वाचन आयोग ने किसी निर्वाचन में केन्द्र व राज्य सरकार के मंत्रियों और सांसदों, विधानसभा एवं विधान परिषदों के सदस्यों तथा राज्य का सुरक्षा कवर प्राप्त किसी अन्य व्यक्ति को चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों के निर्वाचन अभिकर्ता, मतदान अभिकर्ता एवं मतगणना अभिकर्ता बनाने पर रोक लगाई है।

निर्वाचन आयोग ने कहा है कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ रहने वाले सुरक्षा कर्मियों को मतदान केन्द्र एवं मतगणना केन्द्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा सकती है और न ही उनकी सुरक्षा को उनके सुरक्षा कर्मियों की अनुपस्थिति में खतरे में डाला जा सकता है। आयोग के मुताबिक सुरक्षा कवर वाले किसी व्यक्ति को निर्वाचन अभिकर्ता, मतदान अभिकर्ता एवं मतगणना अभिकर्ता बनाने के लिए सुरक्षा कवर वापस करने की अनुमति भी नही दी जा सकती है।

मतदाता जागरूकता के तहत चुनावी काका और चुनावी काकी को मिल रही है राज्य स्तर पर सराहना

इंदौर। लोकसभा निर्वाचन के मद्देनजर इंदौर संभाग में मतदान के प्रतिशत में वृद्धि के लिए स्वीप अभियान के तहत मतदाता जागरूकता हेतु विशेष प्रयास चल रहे है। इसी के तहत संभाग के जिलों में अनेक नवाचार भी किये जा रहे है। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह द्वारा स्वीप अभियान की गतिविधियों का संबंधित जिलों में पहुंचकर जायजा लेकर मतदाता जागरूकता गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी सिलसिले में वे संभाग के झाबुआ में पहुंचकर उन्होंने एक नवाचार के तहत ÷चुनावी काका÷ और ÷चुनावी काकी÷ मतदाता जागरूकता अभियान के चित्रों की प्रदर्शनी का अनावरण किया और उसका अवलोकन किया। इस अवसर पर आई.जी. श्री अनुराग तथा पुलिस अधीक्षक झाबुआ श्री पद्म विलोचन शुक्ल सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि मतदाताओं को जागरूक करने के लिए झाबुआ कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती नेहा मीना द्वारा लांच किए गए शुभंकर चुनावी काका और चुनावी काकी को झाबुआ जिले के आदिवासी अंचल के गाँव-गाँव सहित पूरे प्रदेश में सराहना मिल रही है।

इन शुभंकरों की वेशभूषा जो जिले के आदिवासी समाज में प्रचलित पारम्परिक वस्त्रों और श्रृंगार से प्रेरित हैं। यह राष्ट्रीय स्तर तक संस्कृति के प्रसार को इंगित करता है। जब भी कोई इन शुभंकर को देखेगा तो इस क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत से अवगत होगा। ÷मतदान की है तैयारियाँ, सबसे आगे रहेंगी नारियां थीम पर मतदाता जागरूकता में चुनावी काकी महिला सशक्तीकरण में महती भूमिका अदा कर रही है। चुनावी काका और चुनावी काकी युगल है जो सम्पूर्ण परिवार को मतदान के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इन शुभंकरों का आकर्षक रूप पहली बार मतदान करने वाले युवा वर्ग के बीच भी चर्चा का विषय बना हुआ है और जिले के मतदान प्रतिशत को बढ़ाने में महती भूमिका निभाएंगे।

वर्तमान में झाबुआ जिले के शुभंकर प्रदेश स्तर पर इनकी रचनात्मकता और जीवंतता के लिए सराहे जा रहे है और जिले की ख्याति में नए रूप में बढ़ावा कर रहे हैं। जिला प्रशासन का यह प्रयास अवश्य ही झाबुआ की जनता को मतदान के लिए प्रेरित करेगा।

चुनाव ड्यूटी के दौरान मतदान/सुरक्षा कर्मियों की मृत्यु पर मिलेगी अनुग्रह राशि

इंदौर। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव ड्यूटी के दौरान मृत्यु या गंभीर चोटों के मामले में मतदान/सुरक्षा कर्मियों के परिजन को अनुग्रह राशि का प्रावधान किया गया है। इसमें चुनाव संबंधी सभी प्रकार की ड्यूटी में तैनात सभी कार्मिक, सीएपीएफ, एसएपीएस, राज्य पुलिस, होम गार्ड के सभी सुरक्षाकर्मी, कोई भी निजी व्यक्ति जैसे ड्राइवर, क्लीनर आदि जिसे चुनाव ड्यूटी के लिए नियुक्त किया गया हो और बीईएल/ईसीआईएल इंजीनियर भी शामिल हैं, जो प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी), ईवीएम कमीशनिंग, मतदान दिवस और मतगणना दिवस ड्यूटी में लगे हुए हैं।

आयोग द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि किसी व्यक्ति को प्रशिक्षण सहित किसी भी चुनाव संबंधी कार्य के लिए रिपोर्ट करने के लिए निवास/कार्यालय छोड़ते ही चुनाव ड्यूटी पर होना माना जायेगा, जब तक वह अपने कार्य प्रदर्शन के बाद अपने निवास/कार्यालय वापस नहीं पहुंच जाता। यदि इस अवधि के दौरान कोई दुर्घटना होती है, तो इसे चुनाव ड्यूटी पर हुई घटना के रूप में माना जायेगा।

बीईएल/ईसीआईएल इंजीनियरों के लिए, प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) ड्यूटी की अवधि और वह अवधि जिसके लिए अधिकारी को कमीशनिंग, मतदान/मतगणना व्यवस्था के लिए प्रतिनियुक्त किया जाता है, को चुनाव ड्यूटी अवधि में माना जाएगा।

अनुग्रह राशि

निर्वाचन ड्यूटी के दौरान अगर मौत उग्रवाद या असामाजिक तत्वों के किसी हिंसक कृत्य जैसे सड़क पर खदान, बम विस्फोट, सशस्त्र हमले और कोविड-19 के कारण मौत होती है, तो 30 लाख रुपये की अनुग्रह राशि कर्मचारी के परिजन को मिलेगी।

hindkush.in
24x7 News portal
दैनिक हिन्दकुश
jagrayam.com
online news magazine
सर्वे भवन्तु सुखिनः
भोपाल, इंदौर, उजैन, से प्रकाशित
संपादक मंडल
श्री संजय ज्ञानी, संपादकीय सलाहकार
श्री संजय व्यास, संपादकीय सलाहकार डिजिटल
सुश्री परम चैतन्य, कार्यकारी संपादक
डॉ. चमन सिंह राजौरा, उप संपादक
श्री आशीष उपाध्याय, विशेष संवाददाता व विधि सलाहकार
श्री भुवनेश भार्गव, विशेष संवाददाता
श्री शिरीष राव मोरे, ब्यूरो प्रमुख
श्री नरेन्द्र राठौर, संवाददाता
श्री धर्मेंद्र राठौर, संवाददाता
श्री कौशल कांतिदास वैरागी, विशेष प्रतिनिधि

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

स्वीकृति पत्रक जारी करने में देरी न हो ताकि किसानों को समय पर भुगतान हो सके-कलेक्टर

सुरक्षा के दृष्टिगत समिति स्तरीय केंद्रों से परिवहन तेजी से कराएं

उज्जैन। कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह ने सोमवार को प्रशासनिक संकुल भवन में आयोजित समय सीमा की बैठक में रबी उपार्जन की समीक्षा कर उपार्जन संबंधी अधिकारियों को स्वीकृति पत्रक जारी करने में गति लाने के निर्देश दिए ताकि किसानों को समय पर भुगतान किया जा सकें। उन्होंने विगत दिनों हुई हल्की बारिश से जिले में फसलों पर प्रभाव के संबंध में भी जानकारी ली। जिसमें बताया गया कि जिले में किसी भी प्रकार की फसल नुकसानी की स्थित नहीं हैं।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि एहतियातन समिति स्तरीय केंद्रों से शेष परिवहन प्राथमिकता से कराएं। केंद्रों पर वाहनों की संख्या बढ़ाएं और शत प्रतिशत परिवहन सुनिश्चित कराएं। जिससे बारिश की स्थिति में गेहूं भीगने की स्थिति न बने। उन्होंने

रिजेक्ट उपज के अपग्रेडेशन की कार्यवाही भी शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी उपार्जन संबंधी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मानक मापदंडों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण खरीदी की जाएं। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री मृणाल मीणा, निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक, एडीएम एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री महेंद्र कवचे, एडीएम श्री अनुकूल जैन, सीईओ यूडीए श्री संदीप सोनी सहित सभी जिला अधिकारी उपस्थित रहें।

कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में खाद के अग्रिम भण्डारण की स्थित की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सोसायटी में रखें खाद का किसानों का वितरण कराएं। उन्होंने उप संचालक कृषि से नरवाई जलाने वालों के विरुद्ध कार्यवाही की भी जानकारी ली। उन्होंने सभी एसडीएम को अपने क्षेत्र में नरवाई जलाने वालों के विरुद्ध जुर्माने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एसडीएम अपने क्षेत्र के पटवारियों को फील्ड पर भेजकर नरवाई जलाने पर अंकुश लगाएं और जलाने वालों के विरुद्ध कार्यवाही भी सुनिश्चित कराएं। कलेक्टर श्री सिंह ने शिव ज्योति अर्पणनम कार्यक्रम की समीक्षा कर सभी आवश्यक तैयारियों को पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह द्वारा लोकसभा निर्वाचन की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई।

पुलिस पेंशनर संघ द्वारा हर्ष उल्लास के साथ मनाया होली मिलन समारोह

उज्जैन पुलिस पेंशनर संघ द्वारा पुलिस लाइन स्थित पुलिस सामुदायिक भवन में हर्ष उल्लास के साथ होली मिलन समारोह मनाया गया। समारोह की अध्यक्षता रिटायर्ड अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री एलएस चौहान सामने की सर्वप्रथम मुख्य अतिथि एलएस चौहान,आरके राय, एम एस परमार, पेंशनर संघ के अध्यक्ष प्रमोद सिंह भदोरिया, योगेंद्र सिंह सेंगर, अखिलेश तिवारी, केपीएस जादौन सभी ने मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्या अर्पण कर पूजन किया। जिसके बाद कार्यक्रम की शुरुआत हुई। सर्वप्रथम पेंशनर संघ के अध्यक्ष प्रमोद सिंह भदोरिया ने उपस्थित पेंशनर संघ के सभी सदस्यों को हाथ उठवाकर यह शपथ दिलाई गई।पुलिस पेंशन के सदस्य यह शपथ लेते हैं कि हम देश हित मेंस्वयं मतदान करेंगे वह अपने आसपास रहने वाले सभी सदस्यों को मतदान करने के लिए प्रेरित करेंगे बाद सभी सदस्यों ने एक दूसरे के साथ फूलों की होली खेली कार्यक्रम में श्री एमएस परमार, प्रशांत मुकदम, राकेश मोहन शुक्ला व अन्य सदस्यों ने होली के सु मधुर गीत प्रस्तुत कर सभी सदस्यों को मंत्र मुग्ध कर दिया समारोह का संचालन उपेंद्र सिंह सेंगर ने किया बादसभी सदस्यों ने सु मधुर भोजन का आनंद लिया अंत में सभीआभार सीताराम चौहान ने माना समारोह में करीबन 125 सदस्य ने भाग लिया।

अभा मारवाड़ी महिला सम्मेलन की प्रमुख शाखा उज्जैन के हुए चुनाव

उज्जैन। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की प्रमुख शाखा उज्जैन के चुनाव संपन्न हुए। जिसमें अध्यक्ष पिंकी जैन, सचिव शीतल मुंदडा, कोषाध्यक्ष ज्योति बेवाल निर्विरोध चुने गए।

पूर्व अध्यक्ष संतोष सोढ़ानी, संगीता भूतड़ा, राजकुमारी महेश्वरी, सविता गुप्ता और शाखा की सभी बहनों की उपस्थिति में चुनाव संपन्न हुए।

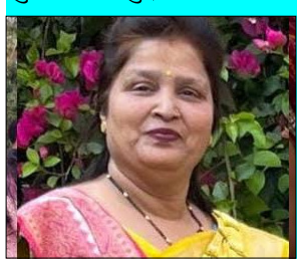

उज्जैन के अंक ज्योतिषि विपुल जैन दैवज्ञ सम्मान से सम्मानित

उज्जैन। उज्जैन के युवा अंक ज्योतिषि विपुल जैन को विक्रम उत्सव में महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ, पूर्णश्री फाउंडेशन, सम्राट विक्रमादित्य विद्वत परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रम में दैवज्ञ सम्मान से सम्मानित किया गया। श्री जैन को अतिथि प्रो. अखिलेश कुमार पांडे कुलपति विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन, डॉ. आरसी ठाकुर निर्देशक अश्विनी शोध संस्थान महिदपुर, श्रीमती माया मालवेंड बदेका, पंडित कैलाशपति नायक अशोक नगर, राजेंद्र सिंह कुशवाह कार्य परिषद सदस्य विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन, संजय नाहर, श्रीराम तिवारी निर्देशक विक्रमादित्य शोध पीठ ने प्रमाण पत्र आदि भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सर्वेश्वर शर्मा थे। संचालन दिनेश दिग्गज ने किया। आभार संजय यादव निर्देशक धर्म शोध पीठ भोपाल ने माना।

चेयर रेस में नीतू, चम्मच रेस में मधु आई अव्वल सबसे तेज दौड़े हर्ष, हरित, चम्मच रेस में दक्ष ने दिखाई दक्षता, आगे रहे प्रथम

उज्जैन। श्री चिड़ार समाज का होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें बच्चों एवं महिलाओं ने रांगोली, चित्रकला में अपना हूनर दिखाया। डीजे की धून पर चेयर रेस, चम्मच रेस, दौड़ सहित विभिन्न खेल गतिविधियां हुई।

कार्यक्रम संयोजक धर्मेन्द्र गोईया एवं मोहन चंदेल ने बताया कि महिलाओं की चेयर रेस में प्रथम नीतू हनुमन्तैया, द्वितीय सुनीता मगरिया, तृतीय स्थान मंगला आठिया ने प्राप्त किया। वहीं चम्मच रेस में प्रथम मधु बरहा, द्वितीय मंगला आठिया, तृतीय स्थान सुनीता मगरिया ने प्राप्त किया। बच्चों की दौड़ दो वर्ग में आयोजित की गई जिसमें प्रथम वर्ग में प्रथम स्थान हरित आठिया, द्वितीय अवनी आठिया और तृतीय स्थान प्रियांशु आठिया ने प्राप्त किया। दूसरे वर्ग में दौड़ में प्रथम स्थान हर्ष आठिया, द्वितीय श्रुति गेहलोत, तृतीय स्थान नैतिक आठिया ने प्राप्त किया। बच्चों की चम्मच रेस में प्रथम दक्ष हनुमन्तैया, द्वितीय उदय आठिया, तृतीय स्थान राज चंदेल ने प्राप्त किया। दूसरे वर्ग में बच्चों की चम्मच रेस में प्रथम राघव आठिया, द्वितीय हर्षित गेहलोत, तृतीय उदय गेहलोत रहे। बच्चों की चेयर रेस में एक साथ करीब 40 बच्चे दौड़े जिनमें प्रथम नंदनी मगरिया, द्वितीय कनक मगरिया, तीसरे स्थान पर शिव ब्राह्मनिया रहे। रांगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नंदनी मगरिया, द्वितीय जिया गोईया, तृतीय स्थान रितीका वर्मा ने प्राप्त किया। रांगोली के निर्णायक समाज के वरिष्ठ हरिश आठिया, पूर्व अध्यक्ष प्रभुसिंह चित्तौड़िया एवं ताराचंद सोनी थे। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम माही मगरिया, द्वितीय कनक मगरिया, तृतीय स्थान श्रीनीति हनुमन्तैया ने प्राप्त किया। वहीं कशिश आठिया, पृथ्वी गोईया को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। सभी विजेताओं को समाज संरक्षक रहे स्व. श्री हरिनारायण हनुमन्तैयाजी की स्मृति में आकर्षक पुरस्कारों से समाज संरक्षक पुरषोत्तम मगरे, पूर्व अध्यक्ष प्रेमनारायण आठिया, भगवानदास ब्रामनिया, प्रेमनारायण बरहा, प्रदेश अध्यक्ष सुनीता आठिया, नीता चंदेल, अरूणा आठिया द्वारा सम्मानित किया गया। संचालन कमलेश धंधेरे एवं संदीप हनुमन्तैया ने किया। कार्यक्रम को प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग कर सफल बनाने हेतु समस्त समाजजनों का आभार सचिन मगरे ने माना। कार्यक्रम के समापन पर दिलीप गेहलोत ने सभी को गुलाल लगाकर टीका लगाया। आयोजन को सफल बनाने में अनिल आठिया, शंकर गेहलोत, रमेश आठिया, अजय आठिया, राजेन्द्र गेहलोत, गौतम चंदेल, सुजानसिंह कुशा, सतीश गेहलोत, आशाराम आठिया, कोमलप्रसादजी, चंद्रप्रकाश चड़ार, श्यामलाल आठिया, किशनलाल गेहलोत, नवीन मगरा, नारायण आठिया, आरडी चंदेल, शैलेन्द्र हनुमन्तैया, राजू गेहलोत, भावेश गोईया, दीपक गेहलोत, देवीसिंह गोईया, ज्योति गेहलोत ने सहयोग प्रदान किया।

भगवान श्रीराम लला के अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव अंतर्गत श्री चिड़ार समाज द्वारा घर-घर श्रीराम रांगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।

ज्योतिषाचार्य अर्चना सरमंडल 'महर्षि जैमिनी सम्मान' से सम्मानित

उज्जैन। विश्व ज्योतिष दिवस के अवसर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय ज्योतिष संगोष्ठी में ज्योतिषाचार्य बगलामुखी साधक अर्चना सरमंडल को 'महर्षि जैमिनी सम्मान' से सम्मानित किया गया।

कालिदास अकादमी संकुल सभागार में महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ, स्वराज संस्थान संचालनाय, संस्कृति विभाग, मध्य प्रदेश शासन द्वारा आयोजित विक्रमोत्सव 2024 के अंतर्गत हुई अन्तर्राष्ट्रीय ज्योतिष संगोष्ठी में इंदौर, उज्जैन, भोपाल, बड़ौदा, जयपुर से मुख्य ज्योतिषी शामिल हुए। इस दौरान अन्तर्राष्ट्रीय ज्योतिष संगोष्ठी और वराह मिहिर सम्मान समारोह में ज्योतिषाचार्य बगलामुखी साधक अर्चना सरमंडल को दैवज्ञ सम्मान 'महर्षि जैमिनी सम्मान' से सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता प्रो. अखिलेश कुमार पांडेय, कुलपति विक्रम विश्वविद्यालय ने की।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com